



DEPARTMENT OF MECHANICAL ENGINEERING

FALL 2025 E-NEWSLETTER

दर्पणम्

Darpanam

آرسى

INSIDE

VISION AND MISSION	1
CHAIR LETTER	2
EVENTS & ACTIVITIES	3
FACULTY NEWS	9
STUDENTS NEWS	10
STUDENT WRITINGS	11
PROGRAM OUTCOMES	13
NEWSLETTER COMMITTEE	14
DISCLAIMER	15

Dr. Surendra Kumar

Chourasiya

Faculty *Incharge*

Harsh Bhardwaj

Editor

Vision

"To develop innovative and creative Mechanical Engineers catering the global industrial requirements and social needs"

Mission

- To prepare effective and responsible graduate engineers for global requirements by providing quality education.
- To enhance knowledge through project and internship in the field of Mechanical and allied engineering.
- To guide students in acquiring career-oriented jobs in the field of Mechanical engineering.
- To provide academic environment of excellence, leadership, ethical values and lifelong learning to cater the need of society by sustainable solutions.

**“विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति, धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥”**

CHAIR'S LETTER

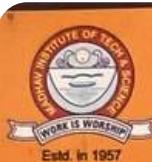
I am happy to note that the Department of Mechanical Engineering is releasing its Newsletter for Fall 2025 (October - December) enumerating the various activities and achievements of our faculty and students. Department of Mechanical Engineering is one of the oldest departments established in 1957 at **MITs Gwalior**. The department endeavors to produce confident professionals tuned to real time working environment. The department offers excellent academic environment with a team of highly qualified faculty members to inspire the students to develop their technical skills and inculcate the spirit of team work in them. The department has been steadily growing into an impressive dimension, which strives to encourage excellence in academic and co-curricular activities. I congratulate the entire Mechanical Engineering department faculties, staff and students for their contribution to department activities and look forward for future developments. The department focuses on the holistic development of the students and to engage them in creativity, innovation, entrepreneurial/start up activities.

I wish a good learning to all the students!
Warm Regards.



Dr. Chandra Shekhar Malvi
(Head of the Department)

– **Dr. Chandra Shekhar Malvi**
Head of the Department
Mechanical Engineering
MITs Gwalior



MADHAV INSTITUTE OF TECHNOLOGY & SCIENCE, GWALIOR

(A Govt. Aided UGC Autonomous & NAAC Accredited Institute, Affiliated to R.G.P.V. Bhopal)

Vision & Mission of Department of Mechanical Engineering

VISION

“To develop innovative and creative Mechanical Engineers catering the global industrial requirements and social needs”

MISSION

- M1** To prepare effective and responsible graduate engineers for global requirements by providing quality education.
- M2** To enhance knowledge through project and internship in the field of Mechanical and allied engineering.
- M3** To guide students in acquiring career-oriented jobs in the field of Mechanical engineering.
- M4** To provide academic environment of excellence, leadership, ethical values and lifelong learning to cater the need of society by sustainable solutions.

EVENTS AND ACTIVITIES



Aerospace Club Info Session

एयरोस्पेस इंडस्ट्री में अनुभव और नवाचार पर व्याख्यान

माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, सम विश्वविद्यालय, ग्वालियर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट और एयरोस्पेस क्लब द्वारा, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), ग्वालियर लोकल सेंटर के सहयोग से दिनांक 24 अक्टूबर 2025 को इन्फो सेशन नामक सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जीई एरोनॉटिक्स (GE Aeronautics) के एडवांस्ड लीड इंजीनियर एवं उद्योग विशेषज्ञ श्री अंकित शुक्ला ने छात्रों को एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एयरोस्पेस क्षेत्र केवल विमान निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एयरक्राफ्ट डिजाइन, एयरलाइंस एवं एयरपोर्ट प्रबंधन, फ्लाइट ऑपरेशंस, ग्राउंड हैंडलिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और मेटेनेंस जैसे अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

संवाद



एयरोस्पेस क्षेत्र में करियर और नवाचार पर छात्रों को प्रेरित किया

स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान सम विश्वविद्यालय, के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग और एयरोस्पेस क्लब द्वारा शुक्रवार को इन्फो सेशन नामक सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जीई एरोनॉटिक्स के एडवांस्ड लीड इंजीनियर अंकित शुक्ला ने छात्रों को एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। श्री शुक्ला ने बताया कि एयरोस्पेस क्षेत्र केवल विमान निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि एयरक्राफ्ट डिजाइन, एयरलाइंस एवं एयरपोर्ट प्रबंधन, फ्लाइट ऑपरेशंस, ग्राउंड हैंडलिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और मेटेनेंस जैसे अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

इस अवसर पर डॉ. सी.एस. मालवी, डीन स्टूडेंट्स वेलफेर डॉ. मनीष कुमार सागर सहित अन्य वरिष्ठ इंजीनियर उपस्थित थे।

EVENTS AND ACTIVITIES



उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अनुभव इस उद्योग की सबसे बड़ी पूँजी है – “हर प्रोफेक्ट, हर डिक्लाइन, हर परीक्षण आपको सीखने और आगे बढ़ने का नया अवसर देता है”
उन्होंने कहा।

श्री शुक्ला ने छात्रों को समझाया कि चाहे वे मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स या कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विद्यार्थी हों – यदि वे सही प्रशिक्षण और प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करें, तो वे आसानी से एविएशन और एयरोस्पेस सेक्टर में अपना करियर बना सकते हैं।

उन्होंने एरो-इंजन निर्माण, रणनीतिक साझेदारियों तथा उद्योग की तकनीकी चुनौतियों पर भी चर्चा की और छात्रों को नवाचार एवं सतत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

अंत में एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने करियर संभावनाओं और उद्योग के अनुभव से जुड़े प्रश्न पूछे। श्री शुक्ला ने प्रत्येक प्रश्न का विस्तृत एवं व्यावहारिक उत्तर दिया। कार्यक्रम का संचालन एयरोस्पेस क्लब द्वारा किया गया और समन्वयन इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (ईंडिया) के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम में इंजीनियर राधाकिशन खेतान, प्रोफेशनल इंजीनियर विनय शुक्ला, इंजी. विनय शुक्ला, इंजी. शिव पाण्डे, डीज टूटेंट्स केलफेयर डॉ. मनीष कुमार सागर, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. सी. एस. मालवी एवं डॉ. नितिन उपाध्याय उपस्थित थे।

EVENTS AND ACTIVITIES

Media Coverage

Workshop on Higher Studies Abroad

4

बदलते जमाने का अखबार

पीपुल्स समायर

लाना-वा 2009

समाजेत, लोकोपक्ष और दूसरी तरफ समर्पित

गवालियर

10 पृष्ठ 3.00

प्राप्ति-16 प्राप्ति-344

आज

नेशनल कैंडी 3

छात्रों को अपने कौशल, शोध व व्यक्तित्व को निखारने की आवश्यकता: रवि कुमार

पीपुल्स संवाददाता ● गवालियर
मो.नं. 9644644430



एमआईटीएस-डीयू में स्टडी अब्रॉड पर कार्यशाला सोमवार को आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रवि कुमार प्रिसिपल उपस्थित हुए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा पाने के लिए छात्रों को अपने कौशल, शोध व व्यक्तित्व को निखारने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को विदेशों में उच्च शिक्षा एवं अवसरों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर प्रथम सत्र में कार्यशाला समन्वयक डॉ.

चन्द्रशेखर मालवी ने विदेश में शिक्षा क्यों और कैसे व अॅनलाइन कोर्स के बारे में जानकारी दी। इस दौरान एडवर्ड मेंथे ने विदेश में उच्च शिक्षा के लिए 27 प्रकार की छात्रवृत्तियों के विषय में बताया। तुरीय सत्र में डॉ. शशिबाला ने नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप विषय में बताया। कार्यशाला में उत्कर्ष दीक्षित ने स्टूडेंट्स को जर्मनी में उच्च शिक्षा आवेदन प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों

और उनके समाधान के बारे में बताया। इंजी. नितेश राय ने अमेरिका में नौकरी करने के अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम के अंत में अधिष्ठाता ने कॉलेज प्रांगण में पासपोर्ट के प लगवाने का विश्वास दिलाया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनीष कुमार सागर, छात्र अधिष्ठाता और डॉ. विशाल चौधरी, पंजीयक डॉ. सुरेंद्र चौरसिया और डॉ. विश्वास एड टेक्नोलॉजीज ने नेशनल अवसरों की जानकारी दी।

प्राप्ति-344 ● एम-पी-एस-एन-पी-2008/27836

तर्फ-18 | अंक-70 | ज्यालियर मंगलवार 04 नवम्बर 2025 | पृष्ठ 8 | गृह्य 3 त्वय्य



नगर चिंगारी

हर पल आपके लिए

विदेश में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति पर कार्यशाला हुई

नगर चिंगारी | गवालियर

मध्यप्रदेश शासन के म.प्र. विज्ञान और तकनीकी परिषद, भोपाल द्वारा मध्यप्रदेश एड टेक्नोलॉजीज पर्सनलरेक्रेयॉन योजना के तहत एमआईटीएस-डीयू गवालियर में स्टडी अब्रॉड पर अधिकारी आयोजित की गई। संस्थान के जनसंस्करण अधिकारी मुकुरा मीर ने प्रेस को जारी विषय में बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंग्लैंड से पीएचडी डॉ. रवि कुमार प्रिसिपल शिक्षक कलेज और ये थे। उन्होंने अपने वेदपर उच्च शोध पात्र विषय में छात्रों को बताते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा पाने के लिए छात्रों को अपने कौशल, शोध एवं व्यक्तित्व को निखारने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया पर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को विदेशों में उच्च शिक्षा एवं वैशिक अवसरों के प्रति जागरूक करना रहा। हाल ही में जर्मनी से मास्टर ॲफ साइंस करके आये इंजीनियर उत्कर्ष दीक्षित ने स्टूडेंट्स को जर्मनी में उच्च शिक्षा का अनुभव साझा किया। जर्मन सत्र में इंजीनियर ने जितेश राय ने अमेरिका में नौकरी देने के अनुभव साझा किये। प्रयोगी सर्वेक्षण में बहुत प्रश्नोत्तरी गई। इस विषय में स्टडी अब्रॉड पर एक पोस्टर प्रदर्शनी भी अधिकारी को गयी। अंत में छात्र अधिकारी ने कालिज प्रांगण में पासपोर्ट के पालगवाने का भी विश्वास दिलाया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनीष कुमार सागर, छात्र अधिष्ठाता और डॉ. विश्वास एड टेक्नोलॉजीज ने नेशनल अवसरों की जानकारी दी।



इनकी डेडलाइन, न्यूटन अंक, अपराधक और साइंस और न्यूजीलैंड पीएचडी करने जाने वाले एडवर्ड में, दिल्ली ने विदेशों में उच्च शिक्षा हेतु 27 विभिन्न प्रकार की जानवृत्तियों के विषय में बताया।

स्कॉलरशिप के विषय में पूर्ण जानकारी देने हुए अवानेश फर्म भाना, भयान लालन द्वारा उत्कर्ष दीक्षित ने दातावेज, शार्ट लिटिंग और इंटर्लैप्रिंटिंग आदि के विषय में बताया। उत्कर्ष दीक्षित के विषय में जानकारी देने वाले जाने से मास्टर एडवर्ड में उत्कर्ष दीक्षित ने स्टूडेंट्स को जर्मनी में उच्च शिक्षा का अनुभव साझा किया। तुरीय सत्र में इंजीनियर ने जितेश राय ने अमेरिका में नौकरी देने के अनुभव साझा किये। प्रयोगी सर्वेक्षण में बहुत प्रश्नोत्तरी गई। इस विषय में स्टडी अब्रॉड पर एक पोस्टर प्रदर्शनी भी अधिकारी को गयी। अंत में छात्र अधिष्ठाता ने कॉलेज प्रांगण में 'पासपोर्ट कैप' लगवाने का भी विश्वास दिलाया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनीष कुमार सागर, छात्र अधिष्ठाता और डॉ. विश्वास एड टेक्नोलॉजीज ने नेशनल अवसरों की जानकारी दी।



नव भारत

गवालियर

एक नजर में



विदेश में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति पर कार्यशाला

गवालियर-मध्य प्रदेश शासन के म.प्र. विज्ञान और तकनीकी परिषद, भोपाल द्वारा 'साइंस एंड टेक्नोलॉजीज प्रोजेक्ट' में 'स्टडी अब्रॉड' पर अक्रीशला आयोजित की गयी। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकुरा मीर ने प्रेस को जारी विज्ञापि में बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंग्लैंड से पीएचडी डॉ. रवि कुमार, प्रिसिपल, शासकीय कॉलेज, औरैया थे। उन्होंने अपने नेचर में छापे शोध पात्र व अमेरीला यात्रा के विषय में बताते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा पाने के लिए छात्रों को अपने कौशल, शोध एवं व्यक्तित्व को निखारने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया पर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को विदेशों में उच्च शिक्षा एवं वैशिक अवसरों के प्रति जागरूक करना रहा। हाल ही में जर्मनी से मास्टर ॲफ साइंस करके आये इंजीनियर उत्कर्ष दीक्षित ने स्टूडेंट्स को जर्मनी में उच्च शिक्षा का अनुभव साझा किया। इस विषय में स्टडी अब्रॉड पर एक पोस्टर प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी। अंत में छात्र अधिष्ठाता ने कॉलेज प्रांगण में 'पासपोर्ट कैप' लगवाने का भी विश्वास दिलाया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनीष कुमार सागर, छात्र अधिष्ठाता और डॉ. विश्वास एड टेक्नोलॉजीज ने नेशनल अवसरों की जानकारी दी।

EVENTS AND ACTIVITIES

Summer Internship Programme II

2nd Year

December 2025
Conclave Centre
MITS-DU Gwalior



EVENTS AND ACTIVITIES



EVENTS AND ACTIVITIES



FACULTY NEWS

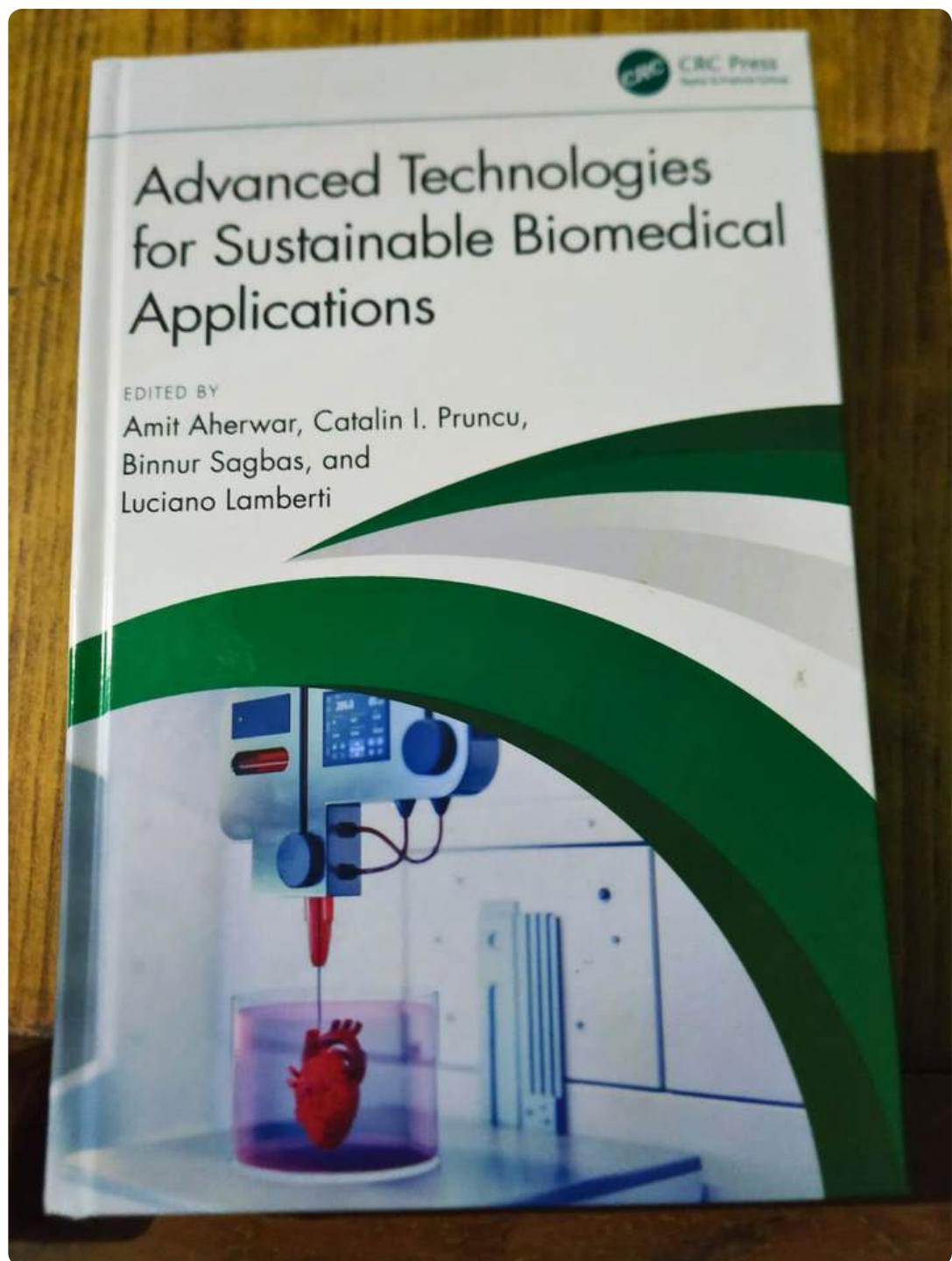
Book Publication

Advanced Technologies for Sustainable Biomedical Applications

December 2025

CNC Press

Dr. Amit Aherwar, Faculty of Mechanical Engineering Department, Madhav Institute of Technology and Science (MITS-DU) Gwalior along with Catalin I. Pruncu, Binnur Sagbas and Luciano Lamberti served as an editor for the book called "Advanced Technologies for Sustainable Biomedical Applications" which is published by CNC Press.



STUDENTS NEWS

Placements

CG Power

Congratulations

Placed at "CG Power and Industrial Solutions Limited" Bhopal,
(POWER TRANSFORMER DIVISION, T3)



Vatsal Chaturvedi
(Mechanical - 2026)

Samriddhi Chauhan
(Mechanical - 2026)

Aastha Singh
(Mechanical - 2026)

Anand Dangi
(Mechanical - 2026)

Dev kumar Sahu
(Mechanical - 2025)

Arpit Tripathi
(Mechanical - 2025)

Mohit Pallaiya
(Mechanical - 2025)

Anuj Agrawal
(Mechanical - 2025)

DEPARTMENT OF MECHANICAL ENGINEERING

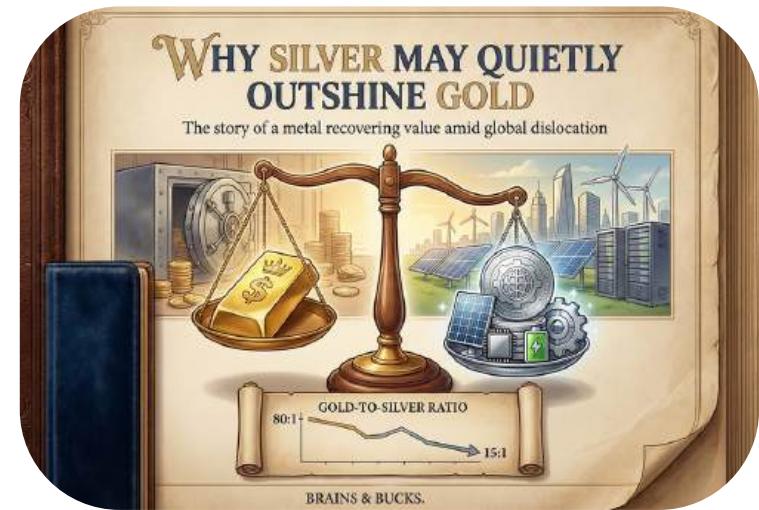
STUDENT WRITINGS

Why Silver May Quietly Outshine Gold in the Years Ahead

The story of a metal recovering value amid global dislocation

Silver is an intriguing metal because, unlike gold, it wears two faces. Gold is almost purely monetary—ornament, reserve, collateral, hedge. Silver, however, is both money and machinery, both storehouse and engine. In an era where the world is simultaneously becoming more chaotic and more technologically electrified, this duality is no small advantage. Industrial demand for silver has risen quietly yet steadily, to the point where silver has begun outperforming gold.

The industrial side of silver's story is rarely told, perhaps because it feels less romantic than vaults, coins, and bullion. Yet here lies the true renaissance: silver is a critical ingredient in solar panels (a major driver), electric vehicles, batteries, 5G components, RFID systems, AI servers and chips, medical instruments, military communications, and sensors. Gold has prestige, but very little industrial necessity. Silver has both.



Solar, in particular, is a quiet kingmaker. As global policy tilts toward clean energy—through the European Green Deal, America's IRA incentives, China's manufacturing scale, and India's solar ambitions—silver becomes indispensable. Although each solar panel requires only a modest amount of silver, it cannot be replaced without compromising efficiency. Solar alone shifts silver from a mere “store of value” to a strategic material—something nations need, not merely hoard.

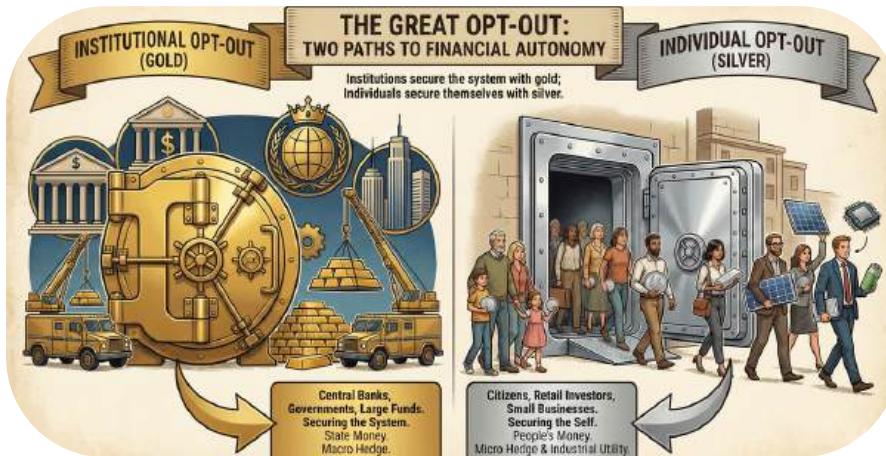
Curiously, this demand boom is not met with equal supply. Silver production has been largely flat or declining for years. Even more interestingly, most silver is mined not from silver mines, but as a byproduct of copper, lead, and zinc mining. This means that even if silver prices rise, miners cannot simply increase production without disturbing the economics of entirely different metals. Gold supply is elastic; silver's is famously not.

STUDENT WRITINGS

On the monetary front, something equally fascinating is occurring. Central banks worldwide have been stockpiling gold aggressively—motivated by de-dollarization efforts within BRICS, sanction precedents after Russia, Yuan-Saudi oil settlements, and a general rise in geopolitical distrust. Gold remains state money. But historically, silver has been people's money. If monetary distrust keeps rising, this bifurcation may return: gold as the institutional hedge, silver as the citizen's opt-out.

The gold-to-silver ratio—another overlooked barometer—is wildly distorted. Historically the ratio has hovered around 15:1 to 20:1. Today it sits nearer 80:1, a level that borders on the absurd. Markets do not revert instantly, but they do revert. A mere return to 40:1 would imply silver doubling relative to gold. Meanwhile, retail and institutional portfolios are heavy with gold and light with silver. Under-owned assets often move hardest when narratives flip.

Beyond economics lies a new kind of fear—digitisation of money, growing state surveillance in finance, the advent of CBDCs, sanctions as tools of diplomacy, and the slow erosion of savings through inflation. In such a world, gold becomes the institutional escape hatch; silver becomes the individual one. Silver is, in this frame, the freedom-denominator metal—small enough to move, useful enough to matter, and liquid enough for the common man.



We are entering a peculiar century: de-dollarization, multipolar geopolitics, renewable revolutions, electrification, financial repression, inflation distrust, sovereign stacking, consumer nationalism, and industrial sovereignty. Silver sits squarely at the intersection of monetary, industrial, and political power.

Perhaps it is, therefore, not too bold to suggest—Silver may well be the new gold.

(This piece reflects my own research, perception, and personal transactions. It is not financial advice. Please perform your own due diligence before making financial decisions. For more such explorations, visit Brains & Bucks.)

-Harsh Bhardwaj

PROGRAM OUTCOMES

PROGRAM EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)

- Graduates of the program will be able to have successful professional career.
- Graduates of the program will be able to develop attitude of learning and become adaptable to dynamic industrial and social environment.
- Graduates of the program will be able to design and develop mechanical system by using skills and knowledge of core competency along with allied engineering skill.
- Graduates of the program will be able to undertake interdisciplinary research needed to build a sustainable society.

- Conduct investigations of complex problems: Use research-based knowledge and research methods including design of experiments, analysis and interpretation of data, and synthesis of the information to provide valid conclusions.
- Modern tool usage: Create, select, and apply appropriate techniques, resources, and modern engineering and IT tools including prediction and modeling to complex engineering activities with an understanding of the limitations.
- The engineer and society: Apply reasoning informed by the contextual knowledge to assess societal, health, safety, legal and cultural issues and the consequent responsibilities relevant to the professional engineering practice.
- Environment and sustainability: Understand the impact of the professional engineering solutions in societal and environmental contexts, and demonstrate the knowledge of, and need for sustainable development.
- Ethics: Apply ethical principles and commit to professional ethics and responsibilities and norms of the engineering practice.

PROGRAM OUTCOMES (POs)

Mechanical and Automobile Engineering Graduates will be able to:

- Engineering knowledge: Apply the knowledge of mathematics, science, engineering fundamentals, and an engineering specialization to the solution of complex engineering problems.
- Problem analysis: Identify, formulate, review research literature, and analyze complex engineering problems reaching substantiated conclusions using first principles of mathematics, natural sciences, and engineering sciences.
- Design/development of solutions: Design solutions for complex engineering problems and design system components or processes that meet the specified needs with appropriate consideration for the public health and safety, and the cultural, societal, and environmental considerations.
- Individual and team work: Function effectively as an individual, and as a member or leader in diverse teams, and in multidisciplinary settings.
- Communication: Communicate effectively on complex engineering activities with the engineering community and with society at large, such as, being able to comprehend and write effective reports and design documentation, make effective presentations, and give and receive clear instructions.
- Project management and finance: Demonstrate knowledge and understanding of the engineering and management principles and apply these to one's own work, as a member and leader in a team, to manage projects and in multidisciplinary environments.
- Life-long learning: Recognize the need for, and have the preparation and ability to engage in independent and life-long learning in the broadest context of technological change.

NEWSLETTER COMMITTEE



Dr. Surendra Kumar Chourasiya
Faculty Incharge
ME Assistant Professor



mech.d_mits
ME official IG, YT & FB
Follow for latest updates

Team Members



Khushi Kumari
Marketing Specialist
ME 3rd Year
<https://www.linkedin.com/in/khushi-kumari-al3243368/>



Mansi Verma
Graphic Designer
ME 3rd Year



Shreya Sharma
Content Writer
ME 3rd Year
[linkedin.com/in/shreya-sharma-0262b5214](https://www.linkedin.com/in/shreya-sharma-0262b5214)



Archna Prajapati
Media Manager
ME 3rd Year
<https://www.linkedin.com/in/archna-prajapati-1a19a02a8/>



Harsh Bhardwaj
Editor
ME 3rd Year
[linkedin.com/in/harsh-bhardwaj18](https://www.linkedin.com/in/harsh-bhardwaj18)

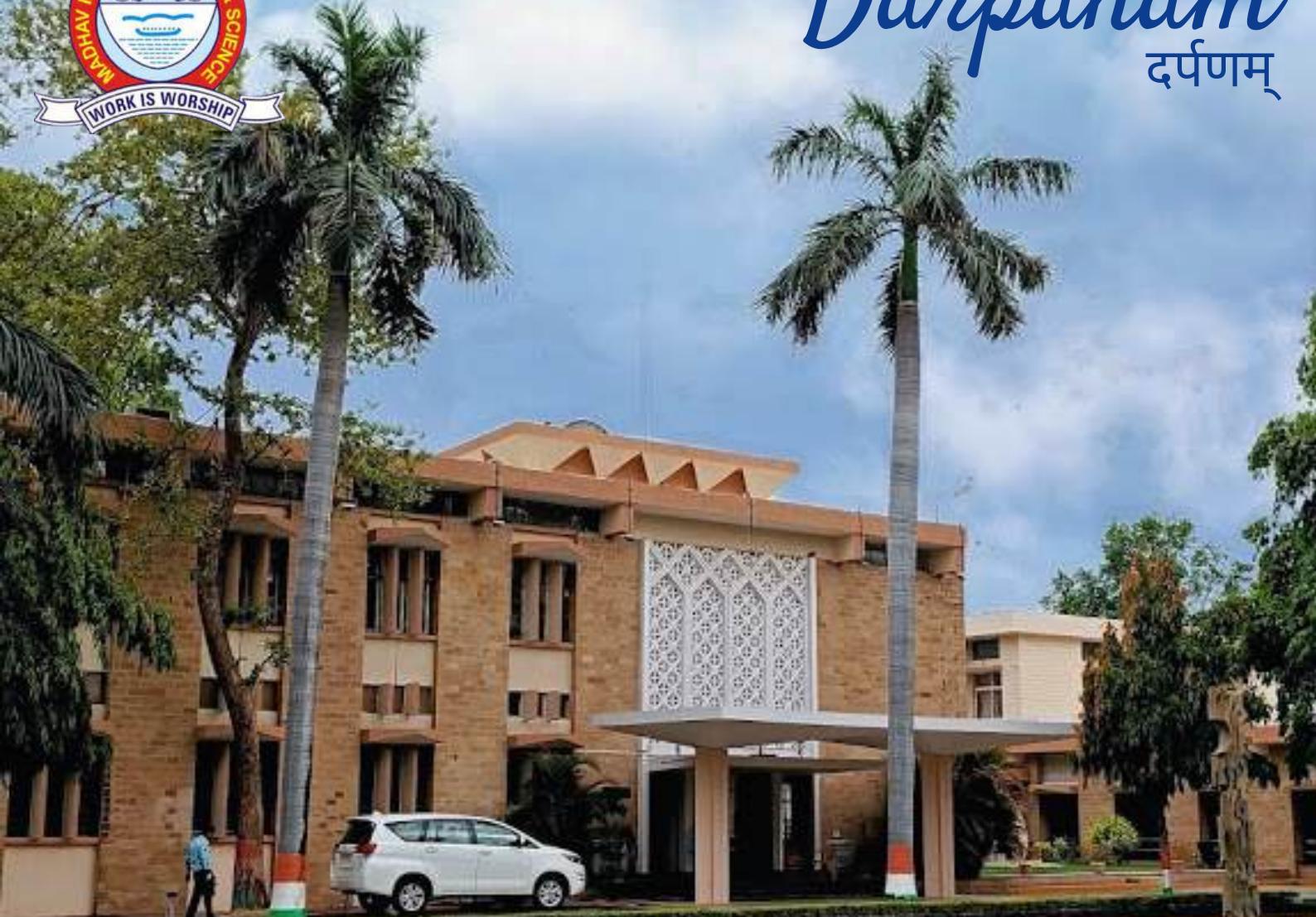


Muskan Swami
Content Writer
ME 3rd Year
<https://www.linkedin.com/in/muskan-swami-32a868381/>

‘अकेला ही चला था जानिब-ए-मंज़िल मगर,
लोग साथ आते गए और कारवाँ बनता गया’

- मजरूह सुल्तानपुरी





**We welcome your recent news for inclusion in our next newsletter.
Please email your updates to
rescuebird18@gmail.com**

DISCLAIMER:

'MITS Mechanical Engineering department E-Newsletter' is meant for Private Circulation only intended to bring quarterly updates of the institute's activities related information published in various media like newspapers, and digital media, etc. to the attention of members of research and academic fraternity of India. Sources of all cited information have been acquired from concerned individuals and are duly acknowledged and members are advised to read, refer, research and quote content from the original source only, even if the actual content is reproduced. The information content does not reflect quality judgment, prejudice or bias by MITS Mechanical Engineering department E-Newsletter committee. Selection is based on the relevance of content to members, readability/ brevity/ space constraints/ availability of content.

**Department of Mechanical Engineering
Madhav Institute of Technology and Science
Gwalior 474005
mitsgwalior.in/newsletter-me**

**Published by E-Newsletter Committee
dept. of Mechanical Engg. MITS Gwalior
Design Layout: Harsh Bhardwaj**

A Quarterly Newsletter: December 2025